5. पर्वत तथा पठार

स्थलमण्डल: इसके कुल क्षेत्रफल के 26 प्रतिशत भाग पर पर्वत, 33 प्रतिशत भाग पर पठार तथा 41 प्रतिशत भाग पर मैदान है। निर्माण के आधार पर स्थलाकृतियों के तीन मुख्य प्रकार है- पर्वत, पठार और मैदान।

पर्वत (Mountains)

स्थल का वह भू-भाग जो अपने आसपास के क्षेत्र से लगभग 600 मीटर से अधिक ऊँचा और उसका ऊपरी भाग चोटीयुक्त हो, **पर्वत** कहलाता gS। भारत में वे उच्च प्रदेश, जो अपने आधार से 900 मीटर तक ऊँचे हैं, **पहाड़ी या टीले** कहलाते है। इससे अधिक उँचाई वाले भागों को पर्वत कहते हैं।

वर्गीकरण : उत्पत्ति के आधार पर पर्वतों को निम्नलिखित वर्गो में बांटा जाता हैं।

1. **वलित पर्वत** (Fold Mountains)

- ये पर्वत तलछटी चट्टानों(Sedimentary Rocks) में **मोड़ पड़** जाने से बनते हैं।

उदाहरण:

एशिया - हिमालय

यूरोप- आल्प्स

उत्तरी अमेरिका - रॉकी

दक्षिणी अमेरिका - एंडिज

- पुराने वलित पर्वत के उदाहरण: **यूराल, अप्लेशियन, नानशान** पर्वत।
- जहाँ आज हिमालय पर्वत खड़ा है, वहाँ किसी समय में टेथिस सागर नामक विशाल भू-द्रोणी थी। **दक्षिणी पठार के उत्तर की ओर विस्थापन के कारण टेथिस सागर के तलछट में बल पड़ गए और वह ऊपर की ओर उठ गया।**
- वलित पर्वतों के निर्माण का आधुनिक सिद्धांत **'प्लेट टेक्टानिक'** की संकल्पना पर आधारित है। सम्पूर्ण भू-पर्पटी को सात महान प्लेटों में विभक्त किया गया है। दो प्लेटों के आपस में भिड़ने से उनके किनारे ऊपर को उठ जाते हैं और महान **वलित पर्वतों** का निर्माण होता है।

भ्रंश तथा खण्ड पर्वत (Block Mountains)

- जब चट्टानों में स्थित भ्रंश के कारण मध्य भाग नीचे धँस जाता है और अगल-बगल के भाग ऊँचे उठे प्रतीत होते हैं तो ब्लॉक पर्वत कहलाते हैं और बीच के धँसे भाग को रिफ्ट घाटी कहते हैं। (Riftvalley or Graben).
- इन पर्वतों का शीर्ष समतल होता है।

उदाहरण:

- फ्रांस का वॉस्जेस (Vosges)
- जर्मनी का 'ब्लैक फॉरेस्ट (Black Forest)
- विन्ध्याचल व सतपुड़ा (भारत) तथा
- पाकिस्तान का साल्ट रेंज (Salt Range) Block Mountain के उदाहरण हैं।
- कैलीफोर्निया का **सियरा नेवादा** विश्व का सर्वाधिक विस्तृत ब्लाक पर्वत हैं।
- दो दरारों के बीच वाले **भू-भाग** के नीचे धँस जाने से भ्रंशघाटी का निर्माण होता है।

सर्वोत्तम उदाहरण-राइन नदी की घाटी (यूरोप), सबसे बड़ी-अफ्रीका की महान भ्रंश घाटी

भारत की नर्मदा नदी भी भ्रंश घाटी में बहती है।

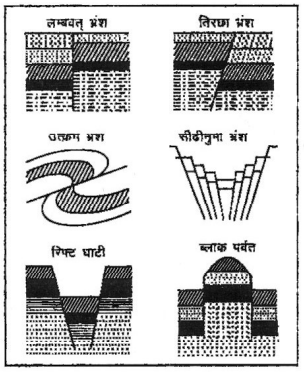

भ्रंशों का प्रकार

ज्वालामुखी पर्वत (Volcanic Mountains)

- इनका निर्माण ज्वालामुखी के उद्गार से उत्पन्न पदार्थों के प्रभाव से।
- इन्हें संचयित पर्वत (Mountains of accumlation) भी कहा जाता है।

उदाहरण:

- जापान का **फ्यूजीयामा** और बर्मा का **पोपा**-(अम्लीय लावा से निर्मित)

- हवाई द्वीपसमूह का **मोनालोआ** पर्वत-(क्षारीय लावा से)
- सं.रा. अमेरिका के हुड, रेनियर
- इटली का **विसुवियस**, चिली का **अकांकागुआ** तथा इक्वेडोर का कोटोपैक्सी अन्य महत्वपूर्ण ज्वालामुखी पर्वत है।

अवशिष्ट पर्वत (Residual Mountains)

- निर्माण अपरदन के कारण (पुराने स्थलखंड के भग्नावशेष)

उदाहरण: नीलगिरी, पारसनाथ तथा राजमहल की पहाडियाँ, मध्य स्पेन का सीयरा, अमेरिका के मेसा एवं बूटे

विश्व के प्रमुख पर्वत एवं उनके प्रकार

वलित पर्वत

1.	हिमालय पर्वत	एशिया
2.	आल्प्स	यूरोप
3.	रॉकी	उत्तरी अमेरिका
4.	एण्डीज	दक्षिण अमेरिका
5.	यूराल	एशिया-यूरोप
6.	अप्लेशियन	उत्तरी अमेरिका
7.	त्यानशान	एशिया (रूस)
8.	नॉन-शान	एशिया (चीन)
9.	सयान	रूस (एशिया)
10.	स्टेनोबाई	रूस (एशिया)
11.	अरावली	एशिया (भारत)

खण्ड पर्वत

1.	वॉस्जेस (फांस)	यूरोप
2.	ब्लैक फारेस्ट (जर्मनी)	यूरोप
3.	विन्ध्य पर्वत	(भारत)
4.	सतपुड़ा पर्वत	(भारत)

ज्वालामुखी पर्वत

1.	मोनोलोआ	(हवाई द्वीप समूह) अमेरिका (क्षारीय लावा से निर्मित)
2.	फ्यूजीयामा	(जापान) (अम्लीय लावा से निर्मित)
3.	पोपा पर्वत	(म्यांमार)

विश्व के पाँच सबसे ऊँचे पर्वत

- माउण्ट एवरेस्ट 8848 m.
- K_2 (Godwin Austin) 8611 m.
- कंचनजंगा 8598 m.
- ल्योत्से (Lhotse) 8511 m.
- यालुंग काण्ग (Yalugn kang) 8502 m.

पठार (Plateau)

- धरातल का विशिष्ट स्थल रूप जो अपने आस-पास के स्थल से पर्याप्त ऊँचा होता है तथा जिसका शीर्ष भाग चौड़ा व सपाट हो, पठार कहलाता है।
- पठार की चट्टानें मुख्यत: **बलुआ पत्थर**, चूने का पत्थर आदि अवसादी चटटानें होती हैं।
- समुद्र तल से ऊँचाई साधारणत: 300 मीटर से 1000 मीटर तक।

नोट : *पठारों को उनकी ऊँचाई के आधार पर नहीं, बल्कि उनके आकार तथा धरातलीय उच्चावच के आधार पर पर्वतों और मैदानों से अलग किया जाता है।*

पठारों का वर्गीकरण

अन्त:पर्वतीय पठार (Intermontane Plateau)

- पर्वतमालाओं के बीच बने पठार।

उदाहरण: तिब्बत, बोलीविया, कोलम्बिया, मैक्सिकोक पठार।

महाद्वीपीय पठार (Continental Plateau)

- मैदानों अथवा समुद्रों से घिरे पठार।

उदाहरण: ब्राजील, दक्षिणी अफ्रीका, ग्रीनलैण्ड, **दक्षिणी भारत,** अरब के पठार आदि।

- लावा पठार के उदाहरण: स्नेक नदी का पठार (अमेरिका) एंट्रिम का पठार (आयरलैण्ड)।

पर्वतपादीय पठार (Pidmont Plateau)

- इनके एक ओर पर्वत तथा दूसरी ओर मैदान अथवा समुद्र होता है। **उदाहरण:**

पेटागोनिया का पठार (अर्जेण्टीना), **मालवा का पठार** (भारत), अपलेशियन पठार (अमेरिका)।

भारतीय पठार

- लद्दाख का पठार-सबसे ऊँचा।
- दक्कन प्रदेश में तीन विस्तृत पठारी क्षेत्र:- महाराष्ट्र का लावा पठार, कर्नाटक का महाद्वीपीय पठार, तेलंगाना का महाद्वीपीय पठार।
- छोटा नागपुर पठार: राँची, हजारीबाग व कोडरमा के पठार

विश्व के प्रमुख पठार

पठार	स्थिति
पामीर या तिब्बत पठार	तिब्बत (चीन)
प्रायद्वीपीय भारतीय पठार	भारत
छोटा नागपुर पठार	भारत
मेघालय पठार	भारत
कोलम्बिया पठार	संयुक्त राज्य अमेरिका
ओजार्क पठार	संयुक्त राज्य अमेरिका
ईरान पठार	ईरान
अनातोलिया पठार	तुर्की
शान पठार	म्यांमार (बर्मा)
मध्य साइबेरिया पठार	रूस
लीबियाई पठार	लीबिया व मिस्र
मंगोलियाई पठार	मंगोलिया व चीन
अबीसीनिया पठार	इथियोपिया
कोलोरेडो पठार	संयुक्त राज्य अमेरिका
पैटागोनिया पठार	अर्जेण्टीना
ब्राजील पठार	ब्राजील
गुयाना पठार	वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम, फ्रेंच गुयाना।
माटोग्रासो पठार	ब्राजील
बोलीविया पठार	बोलीविया
पोतवार पठार	पाकिस्तान
कोरात पठार	थाईलैण्ड

EduBull.com